इब्रानियों की पुस्तक किसने लिखी?

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 1

इब्रानियों की पुस्तक का लेखक स्पष्ट रूप से नहीं बताया गया है, क्योंकि यह पत्र स्वयं लेखक का नाम नहीं बताता (इब्रानियों 1:1)। फिर भी, जब हम इसके विषय, भाषा और ऐतिहासिक संदर्भ का सावधानीपूर्वक अध्ययन करते हैं, तो प्रेरित पौलुस को एक संभावित लेखक माना जाता है।

इस पत्र में तीमुथियुस का उल्लेख मिलता है, जो पौलुस का घनिष्ठ सहयोगी और सेवक था (इब्रानियों 13:23):

“यह जान लो कि हमारा भाई तीमुथियुस छोड़ दिया गया है; यदि वह शीघ्र आए, तो मैं उसके साथ तुम्हारे पास आऊँगा।”

इसके अतिरिक्त, पत्र का अंतिम आशीर्वाद—

“अनुग्रह तुम सब के साथ रहे।” (इब्रानियों 13:25)

यह वाक्य पौलुस की अन्य पत्रियों में बार-बार पाया जाता है, जिससे यह संभावना और भी मजबूत हो जाती है कि लेखक पौलुस ही हो सकता है।

इब्रानियों की पुस्तक किसने लिखी?

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 2

हालाँकि, कुछ विद्वान लेखन-शैली में अंतर के कारण अपुल्लोस, बरनबास या सिलास जैसे नामों का भी सुझाव देते हैं। फिर भी, इब्रानियों की पुस्तक का मुख्य उद्देश्य लेखक की पहचान नहीं, बल्कि उसमें दिया गया आत्मिक संदेश है।

इब्रानियों की पुस्तक का मुख्य विषय क्या है?

इब्रानियों की पुस्तक एक आत्मीय और शिक्षात्मक पत्र है, जो मुख्य रूप से यहूदी मसीहियों को संबोधित है—ऐसे विश्वासियों को जो यहूदी परंपराओं, व्यवस्था, बलिदानों और पुराने नियम के शास्त्रों से भली-भाँति परिचित थे (इब्रानियों 2:1):

“इस कारण हमें उन बातों पर, जो हमने सुनी हैं, और भी अधिक
ध्यान देना चाहिए, ऐसा न हो कि हम उनसे भटक जाएँ।”

इस पुस्तक का केंद्रीय धर्मशास्त्रीय विषय यह है कि यीशु मसीह सर्वोच्च और पर्याप्त हैं। वे परमेश्वर का पूर्ण प्रकाशन और नए वाचा के एकमात्र मध्यस्थ हैं (इब्रानियों 1:3):

“वह परमेश्वर की महिमा का प्रकाश और उसके स्वभाव की छाप है,

इब्रानियों की पुस्तक किसने लिखी?

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 3

और अपनी सामर्थ्य के वचन से सब कुछ संभाले रहता है… और
ऊँचाई पर महिमा के दाहिने हाथ जा बैठा।”

मुख्य शिक्षाएँ

भविष्यद्वक्ताओं से श्रेष्ठ मसीह: पहले परमेश्वर ने भविष्यद्वक्ताओं के द्वारा बात की, परन्तु अंतिम दिनों में उसने अपने पुत्र के द्वारा हमसे बात की (इब्रानियों 1:1–2)।
स्वर्गदूतों से श्रेष्ठ मसीह: स्वर्गदूत सेवक हैं, परन्तु पुत्र का सिंहासन अनन्त है और उसे सब पर अधिकार दिया गया है (इब्रानियों 1:13–14)।
मूसा और लेवीय याजकत्व से श्रेष्ठ मसीह: यीशु मलिकिसिदक की रीति पर सदा का महायाजक है, जो पुराने वाचा के याजकों से कहीं बढ़कर है (इब्रानियों 3:1–6; 7:1–28)।
एक ही बार का पूर्ण बलिदान: जहाँ पुराने नियम में बार-बार पशु बलिदान चढ़ाए जाते थे, वहीं यीशु ने एक ही बार ऐसा बलिदान चढ़ाया जो सदा के लिए पर्याप्त है (इब्रानियों 10:11–14):

“परन्तु इस मनुष्य ने पापों के लिए एक ही बलिदान सदा के लिए चढ़ाकर परमेश्वर के दाहिने हाथ जा बैठा।” (इब्रानियों
10:12)

इस प्रकार इब्रानियों की पुस्तक स्पष्ट करती है कि यीशु एक नए और उत्तम वाचा के मध्यस्थ हैं (इब्रानियों 8:6), और पुराने वाचा की सारी छायाएँ उन्हीं में पूरी होती हैं (इब्रानियों 10:1)।

इब्रानियों की पुस्तक किसने लिखी?

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 4

धीरज रखने की चेतावनी और प्रोत्साहन

इब्रानियों की पुस्तक केवल शिक्षा ही नहीं देती, बल्कि विश्वासियों को कठिनाइयों, परीक्षाओं और सताव के बीच स्थिर बने रहने के लिए उत्साहित भी करती है (इब्रानियों 12:1–3):

“इस कारण, जब कि गवाहों का ऐसा बड़ा बादल हमें घेरे हुए है,
तो आओ, हर एक भार और उस पाप को जो हमें उलझा देता है, दूर करके धीरज से उस दौड़ को दौड़ें जो हमारे सामने रखी है, और
विश्वास के कर्ता और सिद्ध करने वाले यीशु की ओर देखते
रहें।”

यह आह्वान हमें सिखाता है कि विश्वास में स्थिर रहने के लिए हमें यीशु की ओर दृष्टि लगाए रखनी चाहिए—जिसने दुःख सहा, परन्तु विजय प्राप्त की।

प्रभु आपको भरपूर आशीष दे।

JIUNGE NA GROUP LETU LA WHATSAPP HAPA >> WHATSAPP

इब्रानियों की पुस्तक किसने लिखी?

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 5

GROUP….

Share on:
WhatsApp